भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

20.11.2019 के

अतारांकित प्रश्न सं. 585 का उत्तर

उत्तर पूर्वी क्षेत्र और अरूणाचल प्रदेश के लिए नई रेलगाड़ियां

585. श्री प्रदान बरूआः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या ब्रह्मपुत्र नदी पर स्थित हाल ही में उद्घाटन किए गए बोगीबील सेतु को कम दूरी और कम यातायात के कारण असम के उत्तरी किनारे से होकर पूर्ण उत्तर पूर्वी क्षेत्र को माल और वस्तुओं के परिवहन के लिए मुख्यतः उपयोग किया जाता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार की असम के उत्तरी छोर के लोगों के साथ-साथ अरूणाचल प्रदेश के लोगों के देश के बाकी हिस्सों से बेहतर संपर्क हेतु इस मार्ग से होकर एक नई यात्री रेलगाड़ी शुरू करने की योजना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या ब्रह्मपुत्र नदी के दक्षिणी किनारे पर अनुचित वन्यजीव गलियारे के कारण रेलवे लाइनों पर बड़ी संख्या में वन्य जीव मर जाते हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) और (ख): माल यातायात के अलावा, भारतीय रेल बोगीबील पुल के रास्ते 3 जोड़ी यात्री गाड़ी सेवाओं का संचालन कर रही है। बहरहाल, भारतीय रेल में रेलगाड़ियों की शुरूआत/मार्ग परिवर्तन करना एक सतत प्रक्रिया है।

(ग): ब्रह्मपुत्र के दक्षिणी किनारे पर वन्य प्राणियों, विशेष रूप से जंगली हाथियों की आवाजाही देखी जाती है और वन विभाग के परामर्श से तथा राष्ट्रीय हरित अधिकरण की सलाह से, हाथियों हेतु गलियारों को कार्यशील समय-सारणी में अधिसूचित किया जाता है और तदनुसार, रेलगाड़ियों (यात्री और माल यातायात दोनों) के लिए गति प्रतिबंध लगाए जाते हैं। इस कदम से हाथियों के हताहत होने के मामलों को कम करने में मदद मिली है।

उपरोक्त के अलावा, हाथियों के हताहत होने की टक्कर वाली घटनाओं को रोकने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:-

1. रेलपथों के किनारे वनस्पति की नियमित आधार पर सफाई।

2. लोको पायलटों को चेतावनी देने के लिए सभी हाथी गलियारों में संकेतक बोर्ड की व्यवस्था करना।

3. वन विभाग की मदद से लोको पायलटों/सहायक लोको पायलटों और गार्डों को संवेदनशील बनाने के लिए कार्यक्रम।

4. रेलपथों को खाद्य अपशिष्ट से मुक्त रखना जो हाथियों को आकर्षित कर सकता है।

5. रंगिया मंडल के कामाख्या-गोलपाड़ा टाउन खंड पर छह स्थायी गति प्रतिबंध और लमडिंग मंडल के गुवाहाटी-लमडिंग-फुरकटिंग खंड और धर्मनगर-अगरतला खंड पर 14 गति प्रतिबंध लगाए गए हैं।

6 चिन्हित हाथी गलियारों के अलावा स्थानों पर वन विभाग से हाथियों की आवाजाही की सूचना मिलने पर अस्थायी गति प्रतिबंध लगाना। वर्तमान में, जुगीजान से लेकर लमडिंग तक छह अस्थायी गति प्रतिबंध हैं।

7. पूर्वोत्तर सीमा रेलवे प्रणाली में चौकीदार वाले समपार पर बड़ी संख्या में मधुमक्खी ध्वनि प्रणाली संस्थापित की गई है, जिनमें से कुछ दक्षिणी किनारे अर्थात् कामाख्या-गोलपाड़ा खंड में हैं। यह हाथी को रेलपथ से दूर रखने के लिए प्रतिकर्षक का कार्य करता है।

****